केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रारंभ

रविवार, ३ मार्च, २०१९ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

	दिनांक	महिना	वर्ष
परीक्षार्थी का जन्म दिन	☐☐	☐☐	☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (८)	
	६ (६)	
	विभाग-१, कुल गुण (३६)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (६)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (३०)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (४)	
	१३ (४)	
	१४ (८)	
	१५ (८)	
	१६ (५)	
	१७ (५)	
	विभाग-३, कुल गुण (३४)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

प्रारंभ

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''आप ही अल्लाह हो, खुदाताला हो, मैं तो आपका गुलाम हूँ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

२. ''हमारे द्वारा आपका जो भी अपमान हुआ हो, उसके लिए हम क्षमा माँगते हैं।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

३. ''आप हमारे प्राण भले ही ले लें, लेकिन हमको अपने प्राणों से भी अधिक प्यारे घनश्याम को खोज दीजिए।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ४		नाम

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. शाम को घर जाते देर लगेगी तो घनश्याम को कौन डाँटेंगे? | गुण : १ | |

.....

.....

.....

२. धर्मदेव ने पुत्र का भविष्य बतलाने को किसे कहा? | गुण : १ | |

.....

.....

.....

३. घनश्याम की टेढ़ी भृकुटि से किस को आग जैसी जलन होने लगी? | गुण : १ | |

.....

.....

.....

४. अयोध्या जाते समय कौन सी नदी पार करनी पड़ती है? | गुण : १ | |

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ४		नाम

प्र. ३ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **घनश्याम का गृहत्याग :** धर्मदेव ने इन लोगों की बातें सुनकर रामप्रताप को बुलाया और सोचने लगे की रामप्रताप को सूचित नहीं करेंगे और उसकी शिकायतें यदि रोज़ आती रहीं तो शहर में रहना आसान हो जाएगा।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **रामदत्त को आम चखाया :** इसी बीच रामप्रतापभाई ने धीरे से पेड़ की बीचवाली ड़ाली पर आकर कालिदत्त के कमर पर लटक रही जनेऊ और तुंबडी उठा ली।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **घनश्याम का जन्म :** गोलोक से रथ में बैठकर अनेक देवता, रामप्रताप के भाई के दर्शन के लिए पधारे। उन्होंने छत से चन्दन और अक्षत की वर्षा की। चारों ओर जयघोष होने लगा।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **भक्तिमाता और धर्मपिता देहोत्सर्ग :** इच्छाराम अब बारह साल के हो चुके थे। सुवासिनीभाभी और रामप्रतापभाई वृद्धावस्था तक पहुँच चुके थे। एक दिन सुवासिनीभाभी का शरीर बुखार के कारण तपने लगा।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ५		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए।
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) (कुल गुण : ५)

१. चोर चिपक गए २. कर्ण वेध संस्कार

१. .....

.....

.....

२. .....

.....

.....

३. .....

.....

.....

४. .....

.....

.....

५. .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ८		नाम

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. एक साथ अनेक मंदिरों में दर्शन — गुण : २ ☐

(१) ☐ हनुमानगढ़ी

(२) ☐ दोपहर का भोजन

(३) ☐ इच्छाराम

(४) ☐ रात्रि का भोजन

२. मछलियों को जीवित किया — गुण : २ ☐

(१) ☐ नारायण सरोवर

(२) ☐ घनश्याम ने यमराजा का रूप लिया

(३) ☐ मेरी मटकियाँ टूट गई।

(४) ☐ नरक के भयानक दु:खों का दर्शन करवाया।

३. बालप्रभु का पराक्रम — गुण : २ ☐

(१) ☐ दुष्टों का सरदार

(२) ☐ सौम्य आवाज़

(३) ☐ हमें छोड़ दीजिए

(४) ☐ मैं उनका सिपाई हूँ

४. सिद्धियाँ प्रभु की सेवा में — गुण : २ ☐

(१) ☐ वसंताबाई

(२) ☐ रसोई की इतनी जल्दी नहीं है।

(३) ☐ तीस पकवान

(४) ☐ आठ सिद्धियाँ

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. जंगल से बाहर निकलते समय अचानक धर्मदेव स्थिर हो गए।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

२. भक्तिमाता और अन्य महिलाएँ धर्मदेव के घर पर सेवा में लग गई।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

३. मोहनदास को समाधि लग गई।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम

विभाग - २ : योगीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''नारायणप्रसाद नामक कोई साधु आए हैं, यहाँ रातभर ठहरना चाहते हैं।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

..... गुण : ३

२. ''वे ध्यान लगाकर यहाँ क्या कर रहे हैं?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

..... गुण : ३

३. ''हम तुम्हारे साथ पत्रव्यवहार करेंगे।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. योगीजी महाराज की प्रार्थना सुनकर निर्गुणदास स्वामी ने क्या कहा? गुण : १

.....

.....

२. योगीजी महाराज किस तरह से भगवान का स्मरण करने को कहते? गुण : १

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ४		नाम	प्र - ९ गुण - ६		नाम

३. सब लड़के जब खेलते, तब झीणाभाई क्या करते थे? | गुण : १ | |

.....

.....

४. योगीजी महाराज सर्वप्रथम अफ्रीका और एडन के प्रवास पर कब पधारे थे? (संवत्, सन्) | गुण : १ | |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : आदर्श विद्यार्थी

१. बड़े भैया सबको पढ़-लिखकर होशियार बनने का उपदेश देते थे।

२. कुछ विद्यार्थी उनकी स्लेट पर से जवाब देख लेते, चोरी से लिख लेते तो वे कहते कि 'यह अच्छा नहीं है।'

३. शिक्षक जब गणित सिखाते तो झीणाभाई एक घंटे में हिसाब करके स्लेट उल्टी रख देते।

४. उनकी स्लेट से सवाल-जवाब देखने को मिले।

५. कुछ बुद्धू किस्म के विद्यार्थी उनके अगल-बगल में बैठते थे।

६. तुम्हारी स्लेट जरा सी टेढ़ी रखना, हम लोग जवाब देख लेंगे।

७. दूसरे की स्लेट से चोरी करके लिख लेना उचित नहीं है। चोरी करना, भगवान को ठगना है।

८. कभी कोई विद्यार्थी उन्हें डाँटता कि 'यदि जवाब नहीं बताओगे तो पीटेंगे।'

९. यदि तुम्हारा हिसाब-जवाब गलत होगा तो मेरा भी गलत हो जाएगा।

१०. तुम जवाब लिख लो तब हमको बता देना।

११. झीणाभाई पढ़ाई में बहुत होशियार थे।

१२. झीणाभाई प्रत्येक कक्षा में द्वितीय रहते थे।

(१) केवल सही क्रमांक [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] | गुण : ३ | |

(२) यथार्थ घटनाक्रम [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] | गुण : ३ | |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ५		नाम

प्र.१० निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. अक्षर मन्दिर के महंत २. निःस्पृह संत

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ६		नाम

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. उच्च अधिकारी ने प्रधानाध्यापक को बर्खास्त कर दिया। | गुण : २ | |

.....

.....

.....

.....

.....

.....

२. योगीजी महाराज सत्संग सभा और युवक सभा में उपस्थित रहने का आग्रह रखते थे। | गुण : २ | |

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. झीणा भगत ने सद्‌गुरु कृष्णचरणदास स्वामी की प्रसन्नता प्राप्त कर ली। | गुण : २ | |

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम	प्र - १३ गुण - ४		नाम

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. जोधा ने महाराज के पास से क्या लेने के लिए मना कर दिया? गुण : १

.....

.....

.....

२. किस की आज्ञा से संतों कहाँ विचरण करते थे? गुण : १

.....

.....

.....

३. मातापिता के देहावसान के बाद घनश्याम ने क्या किया? गुण : १

.....

.....

.....

४. सामत पटेल ने किस तरह से कितने रूपये इकट्ठा किया? गुण : १

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ४)

१. भगवान स्वामिनारायण अपने हाथ में ..... लेकर अपना वचन निभाकर ..... का कल्याण किया। गुण : १

२. ..... करने के बाद ..... करके भगवान का आवाहन करना चाहिए। गुण : १

३. भगवान स्वामिनारायण ..... के मालिक हैं, और ..... हैं। गुण : १

४. विजापुर के ..... को ..... स्वामी ने भगवान स्वामिनारायण की उपासना कराई। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ८		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. नाथ भक्त — गुण : २ [ ]

(१) [ ] मही नदी के किनारे से गढ़डा का रुख ले लिया।

(२) [ ] पुत्र चल बसा तो खारेक बाँटी।

(३) [ ] सब्जीवाले नाथ भक्त

(४) [ ] पत्नी को लेने के लिए श्रीहरि दिव्यरूप धारण करके पधारे।

२. स्वामी की बातें — गुण : २ [ ]

(१) [ ] सारी चिन्ता राजा ले लेते हैं।

(२) [ ] भोजन मिल जाएगा?

(३) [ ] भजन करना आरंभ करो।

(४) [ ] मैं भावनगर जा रहा था।

३. शूरवीर बालभक्त — गुण : २ [ ]

(१) [ ] बालक राजकुंवर

(२) [ ] बैलगाड़ी उठा ली।

(३) [ ] पिता हिरण्याक्ष जैसा

(४) [ ] जुएठे के साथ बालक को जोत दिया।

४. कितनों को मन खेल खिलाता है। — गुण : २ [ ]

(१) [ ] गढ़डा में एक कोली जाति का बालक

(२) [ ] गेहूँ बोया था।

(३) [ ] गेहूँ का पोंक लाया।

(४) [ ] बनिया गाड़ी भरकर गेहूँ का पोंक लाया।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १५ गुण - ८		नाम

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. जलेबी-घेबर .....

.....

.....

.....

..... सक्कर भरे राती। गुण : २

२. किया शुभ यज्ञ .....

.....

.....

.....

.....

..... क्षोभ कोई हमें। गुण : २

३. पुरुषोत्तम प्रगट .....

.....

.....

.....

.....

..... कर दीन्ही। गुण : २

४. आगच्छ भगवन् .....

.....

.....

.....

.....

..... स मुखो भव॥ गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १६ गुण - ५		नाम

प्र.१६ ''करोड़ काम बिगाड़कर .....'' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए।**
(पंद्रह पंक्तियाँ) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १७ गुण - ५		नाम

प्र.१७ 'पूजा डोडिया को प्रकट भगवान की प्राप्ति' - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए।**
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) (कुल गुण : ५)

१. .....

.....

.....

.....

२. .....

.....

.....

.....

३. .....

.....

.....

.....

४. .....

.....

.....

.....

५. .....

.....

.....

.....
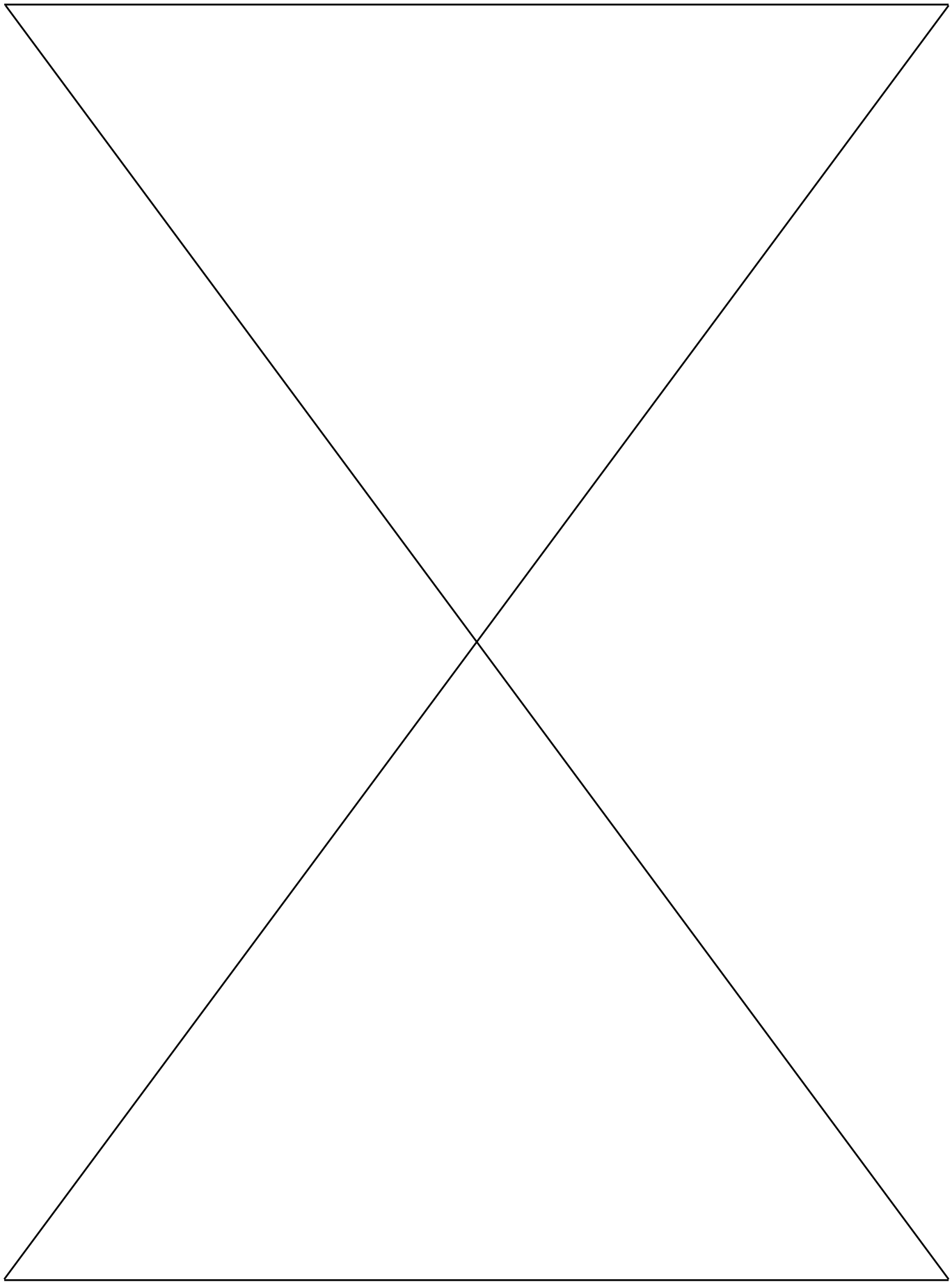
उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें